उत्तर प्रदेश में औद्योगिक इकाई स्थापित करने हेतु चीनी कम्पनी ने दिखाई रुचि

लखनऊ, 10 जनवरी 2013

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में उद्योग व निवेश को बढ़ावा देने के लिए उठाये जा रहे नये कदमों के फलस्वरूप अच्छे परिणाम आने लगे हैं। **चीन के मिंग ही ग्रुप ने उत्तर प्रदेश में लेड एसिड बैटरी निर्माण हेतु एक बड़ी औद्योगिक इकाई स्थापित करने में दिलचस्पी दिखाई है।** इस संदर्भ में **कम्पनी के अधिकारियों के दल ने आज अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी), अनिल कुमार गुप्ता** से भेंट की।

मिंग ही ग्रुप के महाप्रबन्धक झांग यैंग के नेतृत्व में कम्पनी के अधिकारियों ने आईआईडीसी से उत्तर प्रदेश में नई औद्योगिक इकाइयों को उपलब्ध सुविधाओं पर विस्तृत विचार–विमर्श किया।

सूचित किया गया कि उक्त चीनी कम्पनी लगभग 500 करोड़ रुपये के निवेश से लेड–एसिड स्टोरेज बैटरी, जैसे– इलेक्ट्रिक व्हीकिल स्टोरेज बैटरी, हेवी इक्विपमेंट स्टोरेज बैटरी एवं फिक्स्ड स्टोरेज बैटरी निर्माण हेतु इकाई स्थापित करना चाहती है।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) ने चीनी प्रतिनिधिमण्डल को राज्य की नवीन अवस्थापना एवं औद्योगिक निवेश नीति में निर्दिष्ट विभिन्न सुविधाओं के विषय में बताया।

आईआईडीसी ने कहा– ***"यदि निवेश रु 500 करोड़ से अधिक हो तो राज्य सरकार नवीन औद्योगिक नीति में उपलब्ध सुविधाओं और छूट के अतिरिक्त सुविधायें केस–टू–केस आधार पर प्राधिकृत समिति की संस्तुति पर राज्य मंत्रिपरिषद के अनुमादनोपरान्त प्रदान कर सकती है।"*** उन्होंने कहा कि **इसके लिए निवेशक को कटिबद्धता के साथ एक ठोस प्रस्ताव प्रस्ताव करना होगा।**

चीनी दल ने पहले ही उ.प्र. राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) की सण्डीला व उन्नाव स्थित जमीन सहित राज्य में कुछ साइट्स का निरीक्षण किया है। कम्पनी द्वारा जल्द ही अपने प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लेने की सम्भावना है।

उ.प्र. में उद्यम संचालन के कम मूल्य के अलावा, कम्पनी के अधिकारी नई नीति में शामिल नवीन वित्तीय अनुदान व छूट से प्रभावित हैं।

परियोजना के प्रथम चरण में लगभग 30,000 वर्ग मीटर पर इकाई स्थापित करने की योजना है जिसमें 800 व्यक्तियों को रोजगार मिल सकेगा।